बहुत ही सहज है राजयोग...

आज मानव शक्तिहीन है, बलहीन है, उसे तलाश है एक ऐसे स्रोत की, जहां से उसे बल व शक्ति प्राप्त हो। परन्तु स्रोत को तो छोड़ो, उसे तो ये भी समझ नहीं आ रहा कि जिस स्रोत से हम खुशी और शक्ति प्राप्त कर रहे हैं या करने की चाह रखते हैं, जैसे कि धन, वैभव या सम्पत्ति है, क्या ये उसे शक्तिशाली बना पा रहे हैं! अर्थ बिल्कुल स्पष्ट है कि शक्ति आत्मिक है न कि बाह्य व्यक्तियों व वस्तुओं के आधार से। वो शक्ति हमारी निजी है, उसे हमें तलाशना ही होगा।

पिछले अंक में आपने समझा कि जब आत्मा ज्ञान, पवित्रता, शांति, सुख, प्रेम से भरपूर होती है तो उसे आनंद की प्राप्ति स्वतः होने लग जाती है। अब इसके आगे हम आपको स्पष्ट करते हैं कि यह छः आत्मा के गुण क्या रंग दिखाते हैं।

शक्ति

जब उपरोक्त छः गुण ज्ञान, पवित्रता, शांति, सुख, प्रेम, आनंद हमारे अंदर आ जाते हैं तो मनुष्य एक शक्ति का अनुभव करता है। अब हम यहां आपको पुनः स्पष्ट कर रहे हैं कि उपरोक्त छः गुण दरअसल छः शक्तियां हैं, जैसे ज्ञान एक शक्ति है, ज्ञान को प्रकाश भी कहते हैं, ज्ञान को धन भी कहते है। जब हमारे अंदर ज्ञान होता है या समझ होती है किसी विषय को लेकर तो हम अपने आपको बहुत ही आत्मविश्वास व आत्मशक्ति से भरपूर अनुभव करते हैं। उसी तरह पवित्रता भी एक शक्ति है। उदाहरण के लिए जब हम देवियों के मंदिर में जाते हैं, उस पवित्रता की शक्ति के आगे हम नतमस्तक होते हैं। उसी प्रकार शांति, सुख, प्रेम व आनंद भी हमारी शक्तियां हैं। इसीलिए शायद जब हम वंदना करते हैं तो गाते हैं `इतनी शक्ति हमें देना दाता, मन का विश्वास कमज़ोर हो ना'। वास्तव में ये

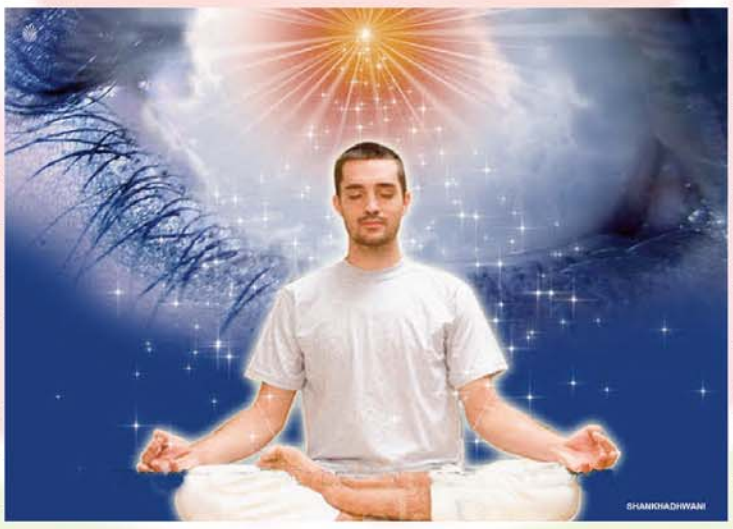

सातो गुण आत्मा की सातो शक्तियां हैं जिसे हम चैतन्य शक्ति भी कह सकते हैं। इसीलिए शायद आत्मा को चैतन्य शक्ति कहते हैं। जब मानव इन गुणों का स्वरूप बनकर व्यवहार करता है तो उसकी चैतन्यता, उसकी ऊर्जा प्रकट होती है और लोग उससे सुकून महसूस करते हैं। आज इसकी कमी होने से इन सातो गुणों का स्वरूप सातो अवगुणों ने ले लिया है। इनके स्थान पर आज मनुष्य के अंदर काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार, आलस्य और भय आदि व्याप्त हैं जिससे मनुष्य कमज़ोर महसूस करता है, शक्तिहीन महसूस करता है। इन अवगुणों के कारण ही मनुष्यों को विकारी कहा गया। विकारी का अर्थ, जो हमें सम्पूर्ण रूप से बेकार कर दे, खत्म कर दे, नष्ट कर दे। आज मनुष्य इससे बाहर भी निकलना चाहता है लेकिन उसे सही विधि ना पता होने के कारण वो इससे निकल नहीं पा रहा। अब इन सातो अवगुणों के आधार से होने वाली बीमारियों तथा उसके निदान हेतु इन सातो गुणों की आवश्यकता पड़ती है। इसकी चर्चा हम अगले अंक में करेंगे।

ओमशान्ति मीडिया वर्ग पहेली-7

1			■	2		■	■	3	
	■	■	■		■	4			■
5		6	7		■		■	8	9
	■	10		■	11	■	■	■	
■	12	■	■	13			■	14	
15		16	■	17		■	18		
19			■	■		■	20		■
■		■	21		■	22	■	■	23
24	■	25		■	26		■	■	
27		■	28			■	29		

बनें विजेता : पहेली के कॉलम को काटकर व पेपर पर चिपकाकर उसके साथ उसका जवाब लिखकर हमें इस मीडिया के पीछे लिखे हुए पते पर भेजें। एक वर्ष के भीतर पूछे गए सभी पहेलियों में जिसका सबसे ज्यादा सही जवाब होगा उन्हें विजाताओं के लिस्ट में शामिल किया जाएगा और वर्ष के अंत में उन्हें आकर्षक ईनाम दिया जाएगा। इसलिए पहेली को ध्यान से पढ़िए, समझिए और भेज दीजिए हमारे पास उसका सही जवाब लिखकर और बनिए वर्ग पहेली के 'विजेता ऑफ द ईयर'।

पहेली की फोटो कॉपी या पोस्ट कार्ड पर भेजा गया पहेली का जवाब मान्य नहीं होगा। पहेली का जवाब भेजें तो उस लिफाफे पर आप अपना भी पूरा पता अच्छी लिखावट में लिखें, अपना मोबाइल नम्बर और हो सके तो अपना ई.मेल आईडी भी लिखकर भेंजें ताकि हमें पहेली का विजेता चुनने में कोई कठिनाई ना हो।

ऊपर से नीचे

1. जाग...जाग नवयुग आया (4)
2. धन्यवाद (3)
3. गलती, भूल (3)
6. शिव है...का भगवान (2)
7. काम...करते निरंतर बाप की याद रहे (2)
9. ...की राहों में बच्चों की निगाहों में प्यार तेरा पाते (4)
11. परिश्रम, श्रम (4)
12. और सब बातें छोड़... याद करो, एक मुझे ही (4)
13. सत्य, सच (2)
14. कथा, किस्सा, ये... है दीये और तूफान की (3)
15. चर्म, चमड़ी (2)
16. साजन, पिया, दूल्हा (2)
18. कम, थोड़ा (2)
21. व्यर्थ, अनावश्यक, गैर ज़रूरी (3)
22. नयनहीन, सूरदास (2)
23. मोह, झुकाव, कशिश, खिंचाव (3)
24. एक बाप से सर्व सम्बन्धों का ... लो (2)
26. अंत समय में ये ... दौलत आदि कुछ भी काम नहीं आयेगा, पूंजी (2)

बायें से दायें

1. नाता, रिश्ता, एक बाप से सर्व.....रखना है (3)
2. पाक, पवित्र (2)
3. पुष्प, फूल (2)
4. ब्रह्मा द्वारा....., विष्णु द्वारा पालना(3)
5. कंचन काया, स्वस्थ शरीर (5)
8. मैं का बहुवचन (2)
10. मुकुट, तुम बच्चे बाप के सिर के ... हो (2)
13. सरल, राजयोग का एक नाम (3)
14. किस समय, कभी (2)
15. ..... माताश्च् पिता त्वमेव (3)
17. ....के भव्य भाल पर विराज रहा मैं (2)
18. संसार, दुनिया, ... के तुम नूर हो प्रकाश फैलाओ (3)
19. नौकर, दास, सेवक (3)
20. राजा की पत्नी, बेगम (2)
25. परिणाम, रिज़ल्ट, नतीजा (2)
26. ..... धोरी करते एक बाप की याद में रहना है (2)
27. सभी, ... के सहयोग से सुखमय संसार (2)
28. जिनका साथी है भगवान, उसे क्या करेगा आंधी और ..... (3)
29. खींचतान, देंशन (3)

- ब्र.कु.राजेश,शांतिवन

राँची-झारखण्ड। मुख्यमंत्री माननीय रघुवर दास को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. निर्मला।

दिल्ली-किंग्सवे कैम्प। बाबा हरदेव सिंह जी महाराज,निरंकारी मिशन को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. साधना।

नई दिल्ली-मोहम्मदपुर। पूर्व पुलिस कमिश्नर किरण बेदी को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. फलक।

रुड़की। रक्षाबंधन के कार्यक्रम में विधायक ममता राकेश एवं चन्द्रशेखर जी को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. विमला।

सिवान-बिहार। जिलाधीश महेन्द्र कुमार,भा.प्र.से. को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. सुधा।

सोनीपत-हरियाणा। जी.वी.एम. गर्ल्स कॉलेज के प्रेसीडेंट ओ.पी. प्रुथी को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. प्रमोद बहन।